Fire in Ghana Bird Sanctuary

*59. SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA:

SHRI RASHEED MASOOD:

Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a large area of the Ghana Bird Sanctuary in Rajasthan was recently destroyed in a fire that broke out in the sanctuary;

(b) if so what are the details thereof and the estimated loss suffered as a result thereof;

(c) what is the result of the inquiry made into the causes of the fire and whether any act of sabotage was suspected; and

(d) if so the action taken or proposed to be taken by the Government in the matter?

THE MINISTER OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI BHA-JAN LAL): (a) to (d) About 108 ha. area of the Keoladeo Ghana National Park in Rajasthan, whose total area is 2873 ha., was affected by Are on 15th October, 1986. The damage is not serious or lasting and no loss of bird or animal life was reported. An inquiry has been instituted by the State Government of Rajasthan the results of which are not yet known. The action to be taken will depend on the findings of the inquiry.

प्रायोजित कार्यक्रम तथा दूरदर्शन

*60. **श्री मीर्जा इर्शादबेग :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दूरदर्शन द्वारा दिखाये जाने वाले प्रायोजित कार्यक्रमों को टेलिविजन पर प्रसारित करने से पूर्व देखा जाता है तथा उन्हें अनुमोदित किया जाता है और यदि हां, तो इसके लिये क्या प्रक्रिया अपनाई जाती है ; और

(ख) क्या "राज से स्वराज" नामक टी० वी० धारावाहिक को भी प्रसारित करने से पूर्व अनुमोदित किया गया था, और यदि हां, तो क्या धारावाहिक में दिखाई गई ऐतिहासिक घटनाओं के साथ न्याय किया गया है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजीत पांजा) : (क) और (ख) धारावाहिकों की टेलीकास्ट करने की प्रक्रिया निम्नलिखित है :—

पहले कदम के रूप में, 13 कड़ियों के समग्र कथानक, कथासार और पहली कड़ी की विस्तृत स्क्रिप्ट के आधार पर संकल्पना/विचार को अनुमोदित किया जाता है। उसके बाद निर्माता से प्रारम्भिक कड़ी, जिसे पाइलट कहा जाता है, को तैयार करने और अंतिम मंजूरी देने से पहले उसे दिखाने का अनुरोध किया जाता है। पाइलट को मंजूर देने के बाद निर्माता से कहा जाता है कि वह कड़ियों को तैयार करे और टेलीकास्ट शुरू करने से पहले चार कड़ियां सप्लाई करे। निर्माता को हर समय दूरदर्शन के पास 4 कड़ियां रखनी होंगी। टेलीकास्ट की जाने वाली सामग्री को टेलीकास्ट करने से पहले उसका रिव्यू किया जाता है।

धारावाहिक "राज से स्वराज्य" का निर्माण एक बाहरी निर्माता प्रख्यात सिनेमा हस्ती डाक्टर निसार—अल्लाना द्वारा किया गया है। इस प्रस्ताव का मंजूर करते समय सामान्य प्रक्रिया अपनाई गई थी। निर्माता ने दूरदर्शन को यह आश्वासन दिया था कि उसने विस्तृत अनुसंधान कार्य किया था और आजाद हिन्द फौज से सम्बन्धित व्यक्तियों की भी सहायता ली थी। आजाद हिन्द फौज के विरुद्ध मुकदमें की प्रथम कड़ी, जिसमें मुकदमें की पृष्ठभूमि दी गई थी, को टेलीकास्ट करने के बाद कुछ अभ्यावेदन प्राप्त हुए थे कि नेताजी को उपयुक्त रूप से चित्रित नहीं किया गया था। इस धारावाहिक में जो कुछ दिखाया गया था, वह यह था कि अपने सहयोगियों को